International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 12 Issue 4, July.-August, 2024, Impact Factor: 8.376

''कला एवं विज्ञान वर्ग के पुरुष बी. एड प्रशिक्षणार्थी तथा कला एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी. एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन''

डॉ वंदना शर्मा

प्राचार्य, श्री राधावल्लभ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ग्वालियर, मध्य प्रदेश।

सारांश

शोधार्थी ने ''कला एवं विज्ञान वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी तथा कला एवं विज्ञान वर्ग केमहिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन''शोध समस्या का चयन किया।उद्देश्य 1.कला एवं विज्ञान वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना। 2.कला एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना। परिकल्पना1.कला एवं विज्ञान वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना। 2.कला एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना। इस शोध अध्ययन हेतु शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।न्यादर्श विधि शोधार्थी ने सौदेश्य विधि द्वारा 4 शिक्षा महाविद्यालय एवं यादृ च्छ्की विधि द्वारा बी.एड प्रशिक्षणार्थी का चयन किया गया। निष्कर्षकला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों में सार्थक अंतर पाया गया। कला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

प्रस्तावना

वर्तमान समय में प्रतिस्पर्धा का युग जिसमें ना चाहते हुए भी हर व्यक्ति को तनाव, संघर्ष के मध्य से गुजरना पड़ता है। अतः शिक्षकों का दायित्व और भी बढ़ जाता है कि बालक का इस प्रकार विकास किया जाए कि, बच्चे स्वयं को संवेगात्मक रूप से परिपक्व निर्मित कर सके। बालक के जन्म के समय से ही पारिवारिक वातावरण में रहते हुए स्वयं में शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक विकास का विकास होना प्रारंभ हो जाता है। जब वह परिवार के पश्चात विद्यालय में प्रवेश करता है तो विद्यालय में शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को संवेगात्मक रूप से परिपक्व किस प्रकार किया जा सकता है, सिखाया जाना चाहिए जिससे बालक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया ग्रहण करने हेतु या अपने लक्ष्य को पाने हेतु कभी–कभी तनाव, अवसाद की स्थिति में आ जाते हैं, जिससे वह संवेगात्मक रूप से अस्थिर अर्थात क्रोध, तनाव, समायोजन ना कर पाना, चिड़चिड़ापन, कभी–कभी तो वह आत्महत्या जैसे कृत्य भी कर जाते हैं। अतः आवश्यकता है शिक्षकों को बालकों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ–साथ शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में विभिन्न कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं का आयोजन, शैक्षिक भ्रमण आदि में नियमित रूप से विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। बी.एड प्रशिक्षणार्थी ही भविष्य में विद्यालय में शिक्षक के रूप में स्थापित होते हैं। अतः शिक्षा महाविद्यालय में बी.एड प्रशिक्षणार्थी को अध्यापन कार्य में प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को संवेगात्मक रूप से परिपक्व किस प्रकार बनाया जा सकता है, उक्त बिंदु को समावेशित करना अत्यंत आवश्यक है ।

संवेगात्मक परिपक्वता से संबंधित अनेक शोध अध्ययन शोधार्थी के समक्ष आएं हैं, किंतु कला एवं विज्ञानवर्ग के पुरुष एवं कला एवंविज्ञानवर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी में से किसकी संवेगात्मक परिपक्वता उच्च है, इस तथ्य को जानने हेतु शोधार्थी ने उक्त शोध समस्या का चयन किया।

समस्या कथन

कला एवं विज्ञानवर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी तथा कला एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययनकरना।

शोध के उद्देश्य

1. कला एवं विज्ञान वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. कला एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध के परिकल्पना

1. कला एवं विज्ञान वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. कला एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध के चर

स्वतंत्र चर–महिला एवं पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी

परतंत्र चर–संवेगात्मक परिपक्वता

शोध की विधि

इस शोध अध्ययन हेतु शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

न्यादर्श विधि

शोधार्थी ने सौदेश्य विधि द्वारा 4 शिक्षा महाविद्यालय एवं यादृच्छ्की विधि द्वारा बी.एड प्रशिक्षणार्थी का चयन किया गया।

न्यादर्श का चयन

शोधार्थी ने दतिया शहर के 4 शिक्षा महाविद्यालय में से कला वर्ग एवं विज्ञानवर्ग के कुल 200 (100 महिला व 100 पुरुष)बी.एड प्रशिक्षणार्थी का चयन किया।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रदतों के विश्लेषण हेतु तारा सबपंथी द्वारा निर्मित संवेगात्मक परिपक्वता मापनी का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकीय प्रविधियां

प्रस्तुत शोध में विश्लेषण एवं निष्कर्ष प्राप्त करने हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मान का प्रयोग किया गया।

प्रदतों के विश्लेषण एवं व्याख्या

उद्देश्य प्रथम – कला एवं विज्ञानवर्ग के पुरुष बी. एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

तालिका क्रमांक 1 कला वर्ग एव ंविज्ञानवर्ग के पुरुष बी. एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान, मानक विचलन, टी–मान एवं सार्थकता स्तर।

वर्ग के प्रकार	पुरुष बी. एड प्रशिक्षणार्थी की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन मान	टी-मान	सार्थकता स्तर
कला	100	110.18	16.8	2.71	0.01 सार्थक है।
विज्ञान	100	119.3	19.9		

तालिका क्रमांक 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि विज्ञान वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थीकी संवेगात्मक परिपक्वतासंबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान(119.3),कला वर्ग केपुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी(110.18) की तुलना में श्रेष्ठ है। इस संदर्भ में प्राप्त टी–मान (2.71) सांख्यिकीय रूप से 99 प्रतिशत दशाओं में सार्थक पाया गया है। दोनों समूह में सांख्यिकी दृष्टिकोण से सार्थक अंतर परिलक्षित हो रहा है।अतः शोध उद्देश्य से संबंधित परिकल्पना **''कला एवं विज्ञान वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है''** को अस्वीकृत किया जाता है।अर्थात दोनों ही समूह के पारिवारिक तथा विद्यालयी वातावरण, स्वयं पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थीकी मनोवैज्ञानिक स्थिति आदि कारकों में भिन्नता के कारण हो सकता है।

उद्देश्य द्वितीय– कला एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

तालिका क्रमांक 2 कला एवं विज्ञानवर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मान।

वर्ग के प्रकार	महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन मान	टी-मान	सार्थकता स्तर
कला	100	110.18	16.8	1.45	0.05सार्थक नहीहै।
विज्ञान	100	111.3	15.9		

तालिका क्रमांक 2 का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने पर स्पष्ट हो रहा है कि कला वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान 110.18 एवं मानक विचलन 16.8 तथा विज्ञानवर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान 111.3 एवं मानक विचलन 15.9 है, दोनों मध्यमान समूह के मध्य तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु टी–मान का प्रयोग किया गया, परिगणित टी–मान 1.45 प्राप्त हुआ। इसका तात्पर्य यह है कि प्राप्त टी–मान 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थकनही है, अतः शोध उद्देश्य से संबंधित परिकल्पना ''कला एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है'' को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष

1. कला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों में सार्थक अंतर पाया गया।
2. कला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. साहू,नीलम एवं झा, प्रज्ञा (2018). रायपुर शहर (उत्तर) केशासकीय हाई स्कूलों के बालक व बालिकाओं की संवेगात्मक परिपक्वता का शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन.Journal of emerging technologies and innovative research volume 4,issue 10.

[2]. पान्डे, शालिनी एवं सक्सेना, आशा (2023). शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के वाणिज्य वर्ग के छात्र–छात्राओं की संवेगात्मक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन.International journal of creative research thoughts.Vol.11, issues7.

[3]. कुमार, रवि (2017). मुरादाबाद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक परिपक्वता का अध्ययन. Universe journal of educational and humanatics. Vol.4,No-2. 6-8.

[4]. चौहान, सिंह भूपेंद्र (2013). विज्ञान, कला तथा वाणिज्य वर्ग के छात्रों की संवेगात्मक परिपक्वता का अध्ययन. Journal of educational and psychological research. vol 3 no.1.

[5]. झाझरिया, राजेंद्र प्रसाद (2015). माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत किशोर विद्यार्थियों की संवेगात्मक परिपक्वता का उनके व्यक्तित्व एवं समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन. International journal of education and science research reviews.

[6]. Bhattacharjee, Anjana (2022). Emotional maturityamong young adults:A comparative study.Indian journal of psychological science,vol.6,no.2(073-079).

[7]. Joy, M & Mathew. A (2018). Emotional maturity and general well being of adolecents, Journal of pharmacy,8(5),1-6.